आईटीआई लिमिटेड ने आईओटी समाधानों की स्थापना और बाजार के लिए सी-डैक के साथ समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया ।

आईटीआई लिमिटेड, भारत की पहली सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई और दूरसंचार उपकरणों के विनिर्माण और नेटवर्क संचार में अग्रणी, ने सेन्टर फॉर डेवेलपमेन्ट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग(सी-डीएसी) के साथ समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किया । मंत्रालय के प्रमुख इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी(इमईआईटीवाई) के अंतर्गत अनुसंधान एवं विकास संगठन थिंग्स ऑफ इंटरनेट के तेजी से उभरते हुए क्षेत्र(आईओटी) में सहयोग करने और राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों और बड़े उद्मों के लिए अंतत आईओटी समाधान और सेवाएं प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।

इस समझौता ज्ञापन पर आज श्री वाई मुरलीधर, इकाई प्रमुख, बेंगलूरु संयंत्र आईटीआई लिमिटेड और सी-डीएसी के कार्यकारीनिदिशक, डॉ. सरत चंद्र बाबू द्वारा आईटीआई लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एस.गोपू के उपस्थिति में आईटीआई निगमित कार्यालय, बेंगलूरु में हस्ताक्षर किए गए ।

समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, आईटीआईविनिर्माण और स्मार्ट उत्पादों, स्मार्ट कृषि, स्मार्ट पोस्ट, स्मार्ट वॉटर मैनेजमेंट, स्मार्ट इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट और स्मार्ट सेफ्टी एंड सिक्योरिटी इत्यादि जैसे विशिष्ट स्मार्ट सिटी घटकों में सीडीएसी द्वारा विकसित विभिन्न आईओटी उत्पादों का निमार्ण और विपणन करेगा ।

इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री एस.गोपू ने कहा, सी-डैक के साथ समझौता ज्ञापन आईटीआई को आईओटी मंच स्थापित करने में सक्षम बनाता है जहां आईओटी उत्पादोंके लिए सी-डैक उन्नत तकनीक की मदद से विभिन्न उद्योंगो में आईओटी अनुप्रयोगों का निर्माण और विपणन कर सकता है । शौचालयों के लिए फीडबैक डिवाइस के विनिर्माण के लिए ऑर्डर मिलने के बाद यह शहरी विकास मंत्रालय(एमओयूडी) के स्वच्छ भारत मिशनऔर एनर्जी एफिशियेन्शी सर्विसेज लिमिटेड(ईईएससल) से स्मार्ट मीटर के तहत आईओटी की श्रेणी में यह आईटीआई के लिए एक और उपलब्धि होगी ।

आईटीआई लिमिटेड का उद्देश्य आईओटी समाधान बनाने के लिए सी-डीएसी की समकालीन तकनीकी पहल के साथ अपनी विशाल उत्पादन क्षमता और अनुसंधान और विकास क्षमताओं का लाभ उठाना है ।

एमओयू के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सी-डीएसी के कार्यकारी निदेशक, डॉ. सरत चंद्र बाबू ने कहा, एमओयू का उद्देश्य सी-डैक तकनीकी का उपयोग करके विशेष रुप से स्मार्ट सिटी समाधान के लिए देश की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है । सी-डीएसी एक प्रणाली है और आईओटी और आईसीटीई क्षेत्रों के लिए समाधान विकास कौशल, जबकि आईटीआई में आईओटी उत्पादों के बड़े पैमाने पर उत्पादन और तैनाती के कौशल हैं । ये दो कौशल स्मार्ट शहरों के लिए अनुकूलित समाधान देने की प्रशंसा करते हैं । यह आईटीआई को स्मार्ट सिटी की तैनाती के लिए आने वाले दिनों में सी-डीएसी टेक्नोलॉजी है ।

आईटीआई ने पहले ही शहरी विकास मंत्रालय, उर्जा आदि से कुछ प्रतिष्ठित आईओटी आधारित आदेशों को हासिल कर लिया है और मौजूदा पुनरीक्षण पथ को बढ़ाने के लिए मौजूदा वित्तीय वर्ष में एक महत्वाकांक्षी कारोबार को हासिल करने की योजना बनाई है ।